● **पढ़ो, समझो और बताओ :**

९. ऐसे उतारी आरती

प्रस्तुत संवाद के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान, उसके उपयोग एवं जीवन के कार्यों की सहजता को दर्शाया गया है ।

बताओ तो सही

अपने भाई/बहन के बारे में बताओ ।

- स्वभाव/गुण
- तुम्हारे प्रति व्यवहार
- दिनचर्या/विशेष प्रसंग

64DCYB

दृश्य १

(रात के आठ बज गए हैं । प्रतीक ने अभी तक खाना नहीं खाया है । उसका मन बहुत खिन्न है । मुँह लटकाए, उदास मन कमरे में बैठा है ।)

माँ : **(आवाज देते हुए)** प्रतीक कहाँ हो ? आठ बज गए । अभी तक तुमने खाना नहीं खाया । जल्दी आओ खाना खा लो । **(प्रतीक कोई उत्तर नहीं देता । बिस्तर पर लेट जाता है । कुछ देर बाद माँ फिर आवाज देती हैं ।)**

माँ : प्रतीक तुम सुन क्यों नहीं रहे हो ? खाना खा लो । अभी बरतन साफ करने हैं । कल की पूरी तैयारी भी करनी है । **(प्रतीक धीरे-से आता है । बरतन साफ करने लगता है । उसी समय पिता प्रद्‍युम्न घर में प्रवेश करते हैं ।)**

पिता जी : वाह बेटा प्रतीक ! तुम कितने अच्छे हो । माँ के हर काम में सहयोग देते हो । **(पत्नी जाह्‍नवी को आवाज लगाते हुए)** जाह्‍नवी ऽ ऽ ! देखो ! हमारा बेटा बरतन साफ कर रहा है । तुम्हारा हाथ बँटा रहा है । हमारा लाड़ला बेटा कितना अच्छा है !

माँ : अरे ! इस बच्चे का मैं क्या करूँ । मेरी एक बात नहीं सुनता ।

पिता जी : तुम ऐसा क्यों कहती हो ? यह बेचारा तो तुम्हारा सहयोग ही कर रहा है ।

माँ : अपना बेटा अच्छा है । घर के हर काम में सहयोग करता है; यह भी सही है पर अभी तक उसने खाना भी नहीं खाया है । मैं कब से उसे आवाज लगा रही हूँ ।

पिता जी : **(प्रतीक के सिर पर हाथ फेरते हुए)** बेटे ! क्या बात है ? अभी तक खाना क्यों नहीं खाया ? **(प्रतीक पिता जी को पकड़कर फफककर रोने लगता है ।)**

माँ : अरे ! क्या हुआ बेटा ? क्यों रो रहे हो ? मुझे बताओ तुम्हें क्या चाहिए ?

प्रतीक : **(सुबकते हुए)** कल रक्षाबंधन है । दीदी अभी तक आई ही नहीं ।

माँ : अरे बेटा ! इसमें रोने की क्या बात है ? दीदी ने तो तुम्हें पहले ही राखी भेज दी है ?

पिता जी : बेटा तुम्हारी दीदी हर साल तो आती ही है । इस वर्ष उसके नाटक का मंचन है । वह नाटक की तैयारी कर रही है । उसने ई-रेल से टिकट भी आरक्षित करना चाहा पर उसे मिला नहीं इसीलिए नहीं आ पा रही है । अगले साल रक्षाबंधन पर तो आ ही जाएगी ।

प्रतीक : मुझे दीदी की बहुत याद आ रही है । वे घर पर रहती हैं तो घर में कितनी रौनक रहती है ? उनके बिना

❑ संवाद का मुखर वाचन कराएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से पाठ के प्रमुख मुद्‍दों को स्पष्ट करें । कक्षा में संवाद का गुट में नाट्‍यीकरण करावाएँ । संचार के विविध माध्यमों एवं उनकी उपयोगिता पर चर्चा करें ।

सुनो तो जरा

यू ट्यूब/सी. डी. पर हिंदी कवि सम्मेलन की कविताएँ सुनो और सुनाओ ।

कैसा रक्षाबंधन ? उनके बिना मेरी आरती कौन उतारेगा ?

पिता जी : अच्छा तो ये बात है ? **(कुछ सोचते हैं...)** तो ठीक है, अब तुम खुश हो जाओ । तुम्हारी दीदी कल तुम्हारी आरती जरूर उतारेगी ।

प्रतीक : **(खुशी से उछलकर)** सच पिता जी ! दीदी मेरी आरती उतारेंगी ! पर कैसे ?

पिता जी : ये तुम मुझ पर छोड़ दो । खाना खाकर सो जाओ । कल दीदी तुम्हारी आरती अवश्य उतारेगी ।

(प्रतीक खाना खाकर सोने चला जाता है । प्रद्‌युम्न जाह्नवी को कुछ समझाते हैं । वह फोन पर प्रतीक की दीदी से काफी देर तक बात करती हैं ।)

माँ : अजी सुनते हो ! संगीता से बात हो गई है । वह तैयार है । आइए, आप भी खाना खाकर सो जाइए ।

पिता जी : खाना तो साथ ही खाएँगे । चलो कल की तैयारी में तुम्हारी कुछ मदद करता हूँ ।

दृश्य २

(दूसरे दिन सुबह के आठ बजे हैं । प्रतीक साफ-सुथरे कपड़े पहनकर तैयार है । पड़ोस में रहने वाली नूरजहाँ ने उसकी कलाई में राखी बाँध दी है । उसके माथे पर रोली-टीका लगा दिया है ।)

प्रतीक : कहाँ हैं दीदी ? मेरी आरती कब उतारी जाएगी ? **(प्रतीक मचल उठा ।)**

पिता जी : चिंता मत करो । तुम उस कुर्सी पर जाकर बैठ जाओ ।

(प्रतीक वैसा ही करता है । माँ संगणक के कुंजी पटल पर कुछ टाइप करती हैं । सामने स्क्रीन पर आरती की थाल लिए संगीता दिखाई पड़ती है ।)

प्रतीक : अरे वाह ! दीदी आ गई । प्रणाम दीदी । **(प्रतीक खुशी से झूम उठता है ।)**

दीदी : मेरे लाड़ले भैया ! खूब पढ़ो-खूब बढ़ो, बड़े बनो । अब सामने देखो । तुम्हारी आरती तो उतार लूँ ।

(संगीता ने प्रतीक की आरती उतारी । प्रतीक बहुत प्रसन्न था ।)

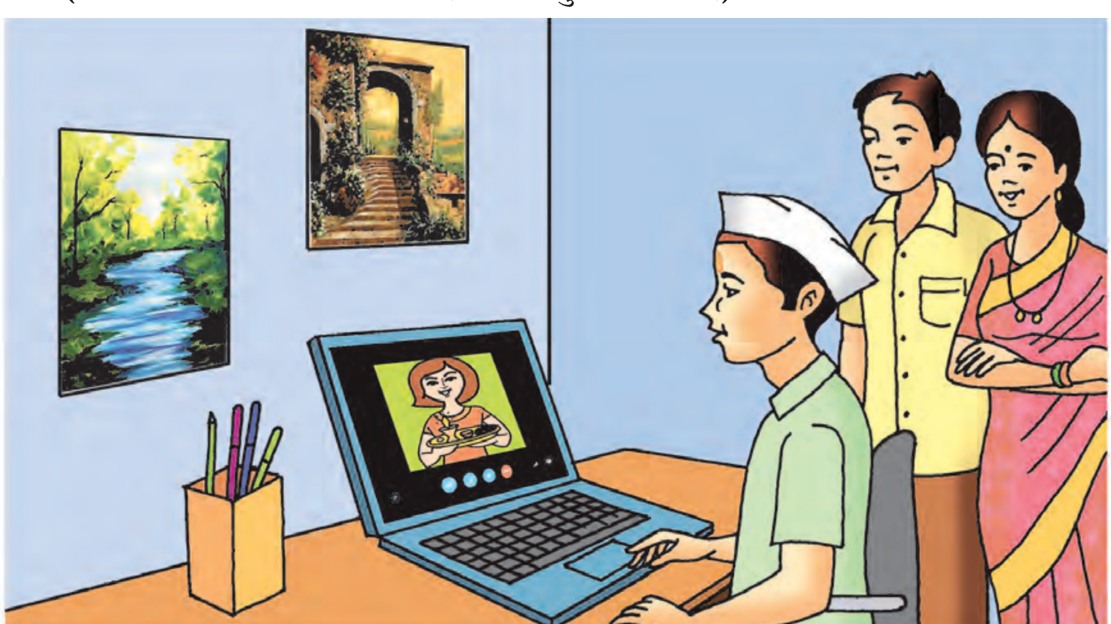

❑ संगणक प्रारंभ करने से लेकर ऑन लाईन बातचीत करने की की संगणकीय प्रक्रिया पर चर्चा करें । उक्त प्रक्रिया का अभ्यास करवाएँ । रेडियो, टी. वी. की क्रिकेट कमेंट्री की नकल कराएँ । 'मेरा प्रिय खिलाड़ी' विषय पर निबंध लेखन हेतु प्रेरित करें ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नया शब्द
खिन्न = दुखी
मुहावरे
मुँह लटकाना = नाराज होना
हाथ बँटाना = सहयोग देना
फफककर रोना = फूट-फूट कर रोना

मेरी कलम से

आकाशकंदील एवं राखी बनाने की विधियाँ क्रमशः लिखो ।

सामग्री — कृति

विचार मंथन

विश्‍वास की नींव पर ही रिश्ते मजबूत बनते हैं ।

वाचन जगत से

पंडित जवाहरलाल नेहरू जी द्‌वारा लिखित 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' पुस्तक पढ़ो ।

खोजबीन

रक्षा बंधन से संबंधित ऐतिहासिक कहानी यू ट्यूब/अंतरजाल पर खोजकर पढ़ो ।

स्वयं अध्ययन

अपने देश में 'सात बहनें' के नाम से प्रसिद्‌ध राज्यों को किन नामों से जाना जाता है, बताओ और लिखो :

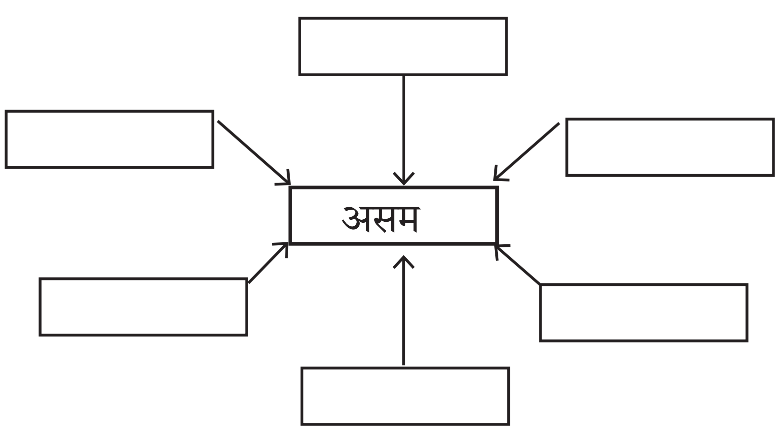

अध्ययन कौशल

किसी एक पाठ के आधार पर टिप्पणी लिखो ।

*** पाठ के आधार पर वाक्य का पहला हिस्सा लिखो :**

(क) .... इसीलिए नहीं आ पा रही है । (ख) .... मदद करता हूँ ।

सदैव ध्यान में रखो

विविधता में एकता हमारी सांस्कृतिक विरासत है ।

भाषा की ओर

पढ़ो, समझो और अर्थ के अनुसार अन्य दो वाक्य बनाकर लिखो ।

१. विधानार्थक	अध्यापक कक्षा में पढ़ाते हैं । १ .... २ ....
२. निषेधार्थक	स्वाति नक्षत्र की बूँद जब तक सीप में नहीं गिरती, मोती नहीं बनती । १ .... २ ....
३. प्रश्नार्थक	क्या तुम दिए काम को कर सकोगे ? १ .... २ ....
४. आज्ञार्थक	तुम्हें जो बताया गया है, उसे पूरा करो । १ .... २ ....
५. संकेतार्थक	बारिश जो आज आए, तो बुआई अच्छी हो । १ .... २ ....
६. विस्मयादिबोधक	तुमने जो खिलौना बनाया है, वह तो बहुत अच्छा है ! १ .... २ ....
७. इच्छा बोधक	वह जैसा भी रहे, सुख से रहे । १ .... २ ....
८. संदेश सूचक	बारात पहुँच चुकी होगी और शादी हो रही होगी । १ .... २ ....